



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 09 नवंबर, 2022

उत्तराखंड स्थापना दविस

प्राकृतिक संपदा और नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण उत्तराखंड राज्य का गठन 9 नवंबर, 2000 को भारत के 27वें राज्य के रूप में किया गया था। देशवासियों की आस्था की प्रतीक पवत्रि नदी गंगा का उद्गम स्थल तथा धार्मिक पर्यटन स्थलों, मंदिरों और नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण प्राकृतिक की गोद में बसा वर्तमान उत्तराखंड राज्य पहले आगरा एवं अवध संयुक्त प्रांत का हिस्सा था। यह प्रांत वर्ष 1902 में अस्तित्व में आया और वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्से को अलग करके उत्तराखंड बनाया गया। हिमालय की तलहटी में स्थित उत्तराखंड राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ उत्तर में चीन (तिब्बत) और पूर्व में नेपाल से मिलती हैं। इसके उत्तर-पश्चिम में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में उत्तर प्रदेश है। यह प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। देहरादून यहाँ की राजधानी है। यहाँ मुख्य तौर पर हिंदी और अंग्रेज़ी भाषा का प्रयोग किया जाता है, जबकि गढ़वाली और कुमाऊँनी यहाँ की स्थानीय बोलियाँ हैं।

53वाँ भारतीय अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव

53वाँ भारतीय अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव 20 से 28 नवंबर के बीच गोवा में आयोजित किया जाएगा। इसमें कुल 15 फ़िल्में गोल्डन पीकॉक अवार्ड के लिये स्पर्द्धा में होंगी जिनमें 12 अंतरराष्ट्रीय और 3 भारतीय फ़िल्में शामिल हैं। ज्यूरि में इज़रायल के लेखक और फ़िल्म निर्देशक नदव लापडि, अमेरिका के फ़िल्म निर्माता जिनको गोटोह, फ़्राँसीसी फ़िल्म संपादक पास्कल चावांस, फ़्राँसीसी वृत्तचित्र फ़िल्म निर्माता, फ़िल्म समीक्षक एवं पत्रकार जेवियर अंगुलो बार्दुरेन तथा भारत के निर्देशक सुदीप्तो सेन शामिल हैं। इस साल प्रतियोगिता वर्ग में जो फ़िल्में शामिल हैं, उनमें पोलैंड के फ़िल्म निर्माता क्रिस्टोफ़ जानुसी की परफेक्ट नंबर, मैक्सिको के फ़िल्म निर्माता कार्लोस आइचेलमैन कैसर की फ़िल्म रेड शूज़, ईरानी ड्रामा नो एंड तथा हिंदी फ़िल्म कश्मीर फाइलस हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव (IFFI) की शुरुआत वर्ष 1952 में की गई थी, पहली बार इस महोत्सव का आयोजन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के संरक्षण में भारत सरकार के फ़िल्म डेविज़न द्वारा किया गया था। गौरतलब है कि वर्ष 1975 से इस महोत्सव का आयोजन वार्षिक तौर पर किया जाता है और अब तक इसके कुल 52 संस्करण आयोजित किये जा चुके हैं।

राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस

प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस (National Legal Services Day-NLSD) मनाया जाता है। राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस (NLSD) की शुरुआत वर्ष 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाज के गरीब एवं कमज़ोर वर्गों को सहायता व समर्थन प्रदान करने के लिये की गई थी। इस दविस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सभी के लिये न्याय सुनिश्चित करने हेतु लोगों को कानून के बारे में जागरूक करना, साथ ही समाज के गरीब एवं कमज़ोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता व सलाह प्रदान करना है। भारतीय वधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 को भारतीय संसद द्वारा 9 नवंबर, 1995 को लागू किया गया था। इसलिये 9 नवंबर को 'राष्ट्रीय वधिक सेवा दविस' के रूप में चिह्नित किया गया है। 'NALSA' का गठन समाज के कमज़ोर वर्गों को निःशुल्क कानूनी सेवाएँ प्रदान करने और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के उद्देश्य से किया गया है। भारत का मुख्य न्यायाधीश 'NALSA' का मुख्य संरक्षक होता है और भारत के सर्वोच्च न्यायालय का द्वितीय वर्षिष्ठ न्यायाधीश प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष होता है।